Part A - Introduction

Program : Degree Course		**Class : B.A.**	**Year : III**	**Session -2023-24**
SUBJECT : PHILOSOPHY				
1	Course Code	**A3-PHIL2T**		
2	Course Title	**The Philosophy of Shrimadbhagwat Geeta**		
3	Course Type (Core Course/ Elective / Generic Elective Vocational)	**Minor / Elective**		
4	Pre-Requisite	"The Student must have had Philosophy subject as Minor at Diploma Level"		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. After the completion this course the student will enhance his management skill by improving his concentration. 2. This Course will enable him to make his presentation inspirational and give him capacity to control his behaviour in all fields. 3. The knowledge of this course will provide deep orientation to the students for personality development. 4. He may be recruited as motivational speaker in government, private and corporate sector.		
6	Credit Value	**6**		
7	Total Marks	**Maximum Marks : 30 + 70**	**Min. Passing Marks : 35**	

Part B - Content of the Course

90 Total No. of Lectures - Tutorials (In Hours per Week) L-T-P 3-0-0

Unit	Topic : The Philosophy of Shrimadbhagwat Geeta	No. of Lectures (1 Hour Each)
1	**Introduction of Shrimadbhagvat Geeta** 1. The Place of Philosophy in Indian Vedic Tradition. 2. Sources of Philosophical Knowledge - Vedas, Upnishadas, Puranas, Smarili and Geeta 3. Their Importance, Necessity and Dignity. 4. Mahabharat as the Source of Geeta **Key Words**: Ved, Upnishad, Puran Evam Geeta.	**18**
2	**Nature of Shrimadbhagvat Geeta** 1. Geeta as a Dialogue between Lord Shri Krishan and Devotee Arjuna and Prasthantrayi. 2. Geeta as an unique scripture of Indian Culture. 3. Indispensability and word wide significance of Knowledge of Geeta. 4. Synthesis of Knowledge action and Devotion in Geeta and its Implementation. **Key Words**: Shri Krishan evam Arjun, Gyan, Karma evam Bhakti.	**18**

29.10.23
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

3	**Yoga in Shrimadbhagvat Geeta** **1.** Nature of Knowledge in Geeta, Difference between Vidhya and Shiksha **2.** Kartavya and Akartavya, Moha and Asakti **3.** Stages for the origin of knowledge and sighns of Yogi (Sthitapragya). **4.** Various Forms of Yoga and different levels of yogi **Key Words**: Kartavy evam Akartavy, Yog evam Yogi, Sthitapragya.	**18**
4	**Karma Mimansa in Shrimadbhagvat Geeta** **1.** Nature of Karmas, Destined and Not Destined Actions, Mystery of Karma. **2.** The choice for Daiviya and Assuri Sampada. **3.** Freedom of Man, Para and Apara Prakriti. **4.** Destiny, Dedication and Jaya and Parajaya (Victory and Defeat), Time Management. **Key Words**: Daiviya evam Aasuri Sampada, Freedom of Man.	**18**
5	**Mystery of Creation in Shrimadbhagvat Geeta.** 1. Divine System , Creator of System, Various Vibhuties of Creator (God) 2. Vishvaroop Darshan, Condition of Arjuna as Devotee. 3. Nature of Reverience, Prayer and Solutions for Queries. 4. The Existence of Devotees Achievement of Ultimate peace and the stage of Mukti or Liberation. **Key Words**: System of God, Vishvroop Darshan and Moksh.	**18**

Part C - Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

Suggested Readings :

1. Swami Prabhu Paad - Bhagavad-Gita as it is 1983 - Bhakti Vedant Book Trust, Juhu Mumbai.
2. S. Radhakrishanan - Bhagvad Gita, Rajpal and Sons 1962 - Kashmiri Gate, Delhi.
3. Acharya Shankar Bhasya - Shrimad Bhagwat Geeta - Geeta Press Gorakhpur (U.P.)
4. Swami Ram Sukhdas - Sadhak Sanjiwani - Code-6, Geeta Press Gorakhpur
5. B.G. Tilak - Geeta Rahasya - Pune 1950
6. Swami Yoganand - God Talks with Arjuna - The Bhagvad Gita, Royal Science of God-Realization Two Volume.
7. Paramhansa Yoganand - The Bhagvad Gita - The Song of the Spirit, by YSS of India

Website

1. www.shankaracharya.org
2. http://yognanda.com.au
3. www.yssofindia.org
4. https://bhagavadgita.io/
5. https://www.bhagavad-gita.org/
6. https://bhaktivedantavediclibrary.org/books/bhagavad-gita/
7. https://instapdf.in/bhagavad-gita/

Awasthi 29.10.22

डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks : 100		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment /Presentation	**30**
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A) :** Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :** Long Questions	**70**
Any remarks/ suggestions:		

Awasthi 29.10.22
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि		कक्षा : बी.ए.	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-2024
विषय: दर्शनशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A3-PHIL2T**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	*श्रीमद्भगवतगीता दर्शन*		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	माईनर / इलेक्टिव		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए यह अनिवार्य है कि छात्र ने दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन डिप्लोमा स्तर पर किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी अपनी एकाग्रता में वृद्धि कर अपनी प्रबंधन क्षमता को विकसित कर सकेगा । 2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी को अपना प्रस्तुतीकरण प्रेरणादायक बनाने की योग्यता प्रदान करेगा एवं सभी क्षेत्रो में अपने व्यवहार को संयमित करने की क्षमता प्रदान करेगा । 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का ज्ञान विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास हेतु गहन अभिविन्यास प्रदान करेगा एवं वह शासकीय, अशासकीय एवं औद्योगिक क्षेत्रो में प्रेरक वक्ता के रूप में स्थापित हो सकेगा।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- 90, ट्यूटोरियल- प्रायोगिक L-T-P: 3-0-0 (प्रति सप्ताह घंटे में)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)
प्रथम	श्रीमद्भगवतगीता गीता का परिचय 1. भारतीय वैदिक परंपरा में दर्शन का स्थान। 2. दार्शनिक ज्ञान के स्रोत-वेद, उपनिषद ,पुराण, स्मृति एवं गीता। 3. इनका महत्त्व, आवश्यकता एवं गरिमा। 4. महाभारत- श्रीमद्भगवतगीता के स्रोत के रूप में। कुन्जी शब्द: वेद उपनिषद, पुराण, स्मृति एवं गीता	18

29.10.22
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

द्वितीय	श्रीमद्भगवतगीता का स्वरूप- 1. गीता की पृष्ठभूमि - श्री कृष्ण एवं भक्त अर्जुन के मध्य संवाद के रूप में गीता एवं प्रस्थानत्रयी । 2. भारतीय संस्कृति के अनुपम ग्रंथ के रूप में गीता। 3. गीता के ज्ञान की अपरिहार्यता एवं गीता की विश्व व्यापकता। 4. गीता में ज्ञान कर्म एवं भक्ति का समन्वित रूप एवं क्रियान्वयन। कुन्जी शब्द: श्रीकृष्ण एवं अर्जुन, ज्ञान, कर्म एवं भक्ति	18
तृतीय	श्रीमद्भगवतगीता में योग का स्वरूप : 1. गीता में ज्ञान का स्वरूप, विद्या एवं शिक्षा का महत्व । 2. कर्तव्य एवं अकर्तव्य , मोह एवं आसक्ति । 3. ज्ञान के उदय की स्थितियां एवं योगी के लक्षण (स्थितप्रज्ञ) । 4. योग के विभिन्न स्वरूप एवं योगी की स्थितियां । कुन्जी शब्द: कर्तव्य एवं अकर्तव्य, योग एवं योगी, स्थितप्रज्ञ	18
चतुर्थ	श्रीमद्भगवतगीता में कर्म मीमांसा- 1. कर्म रहस्य एवं कर्मों का स्वरूप, नियत एवं अनियत कर्म । 2. दैवीय एवं आसुरी संपदा का चयन । 3. मानव स्वतंत्रता, परा एवं अपरा प्रकृति । 4. नियति, समर्पण, जय एवं पराजय, समय प्रबंधन । कुन्जी शब्द: दैवीय एवं आसुरी सम्पदा, मानव स्वतंत्रता	18
पंचम	श्रीमद्भगवतगीता में सृष्टि का रहस्य 1. ईश्वरीय विधान एवं विधान का कर्त्ता, ईश्वर की विभिन्न विभूतियां । 2. विश्वरूप दर्शन एवं भक्त अर्जुन की स्थिति । 3. भक्तों का अस्तित्व, श्रद्धा का स्वरूप, प्रार्थना एवं संदेह निरूपण । 4. पूर्ण शांति की स्थिति एवं मुक्ति अथवा मोक्ष । कुन्जी शब्द: ईश्वरीय विधान, विश्वरूप दर्शन एवं मोक्ष	18

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. श्री अरविन्द- एस्सेज आन गीता - हिंदी अनुवाद सहित - श्री अरविंद आश्रम प्रकाशन 2000

2. श्री स्वामी प्रभुपाद- श्रीमद्भगवतगीता - यथारूप / भक्तिवेदांत बुक ट्रस्ट/ मुंबई 1983

3. श्री स्वामी प्रभुपाद-भागवत का प्रकाश- यथारूप/ भक्तिवेदांत बुक ट्रस्ट / मुंबई 1983

4. डॉ इकबाल किशन तैमिनी-आत्म साधना- इंडियन बुक शॉप अनुवादक/ डॉ रघुवीर शरण गुप्ता T.S.S.भारतीय शाखा वाराणसी गीताप्रेस गोरखपुर

29.10.22

डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

5.स्वामी राम सुखदास - श्रीमद्भगवतगीता - गीता प्रेस गोरखपुर 2099 Code

6. स्वामी राम सुखदास -साधक संजीवनी - (अंग्रेजी हिंदी अनुवाद) गीता प्रेस गोरखपुर 2017 Code-6

7. जयदयाल गोयंदका- तत्व विवेचिनी- गीता प्रेस गोरखपुर 2nd 2017

8.योगाङ्क -कल्याण- दसवे वर्ष का विशेषांक- संकलित प्रकाशन गीताप्रेस गोरखपुर Code-616

9. बालगंगाधर तिलक- भगवद्गीता रहस्य-पूना हिन्दी संस्करण 1950

10.श्री विनोबा भावे- गीता प्रवचन- नवजीवन प्रेस, अहमदाबाद 1960

11. महात्मा गांधी- गीता माता-नवजीवन प्रेस, अहमदाबाद 1960

12.डॉ राधाकृष्णन -गीता -राजपाल एंड संस 1967

13.श्रीमती कुसुम अस्थाना जी- गीता अनुवाद 1992 सत्य मंदिर 116/2 इंदिरा नगर लखनऊ

14.आचार्य शंकर- गीता भाष्य-गोरखपुर 1985

15. इंद्रमोहन प्रसाद- श्रीमद्भगवतगीता में भक्ति योग दर्शन - क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी नई दिल्ली

16. दस्सपेक श्री कृष्ण- श्री रामकृष्ण मठ मद्रास

17.स्वामी राम सुख दास जी -साधकों के प्रति -गीता प्रेस गोरखपुर, संवत 2048

18.स्वामी राम सुख दास जी -वासुदेव: सर्वम- गीता प्रेस गोरखपुर 1995

19.स्वामी राम सुख दास जी - जित देखूं तित तू -गीता प्रेस गोरखपुर 1995

Website

1. www.shankaracharya.org
2. http://yognanda.com.au
3. www.yssofindia.org
4. https://bhagavadgita.io/
5. https://www.bhagavad-gita.org/
6. https://bhaktivedantavediclibrary.org/books/bhagavad-gita/
7. https://instapdf.in/bhagavad-gita/

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण /(प्रेजेंटेशन)	30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय -03.00 घंटे	अनुभाग प्रत्येक) अति लघु प्रश्न :(अ). अनुभाग ब)): लघु प्रश्न अनुभाग स)): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

28.10.22
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)